ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 09 मई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 34

पृष्ठ 4

राजकार्य बाधा मामले में दो दिन बाद भी कांग्रेस नेताओं तक नहीं पहुंची 'जांच', कांग्रेस बोली- सांच को क्या आंच!! ना पूछताछ ना एफआईआर की जानकारी!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आधी रात को दर्ज हुई एफआईआर ने शहर की राजनीति में जितना शोर मचाया था, उससे कहीं ज्यादा अब उस 'खामोश जांच' पर सवाल उठ रहे हैं, जो दो दिन बाद भी कागजों से बाहर निकलती नजर नहीं आ रही। जिन कांग्रेस नेताओं पर राजकार्य में बाधा जैसे गंभीर आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज किया गया, उन्हें अब तक न तो पुलिस का फोन आया, न पूछताछ के लिए बुलावा और न ही किसी प्रकार की औपचारिक सूचना।

अब शहर में सवाल उठ रहा है कि आखिर यह कैसी जांच है? जिस वीडियो के आधार पर पुलिस कार्रवाई की बात कह रही है, वह वीडियो तो घटना के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर वायरल हो चुका था। हजारों लोग उसे देख चुके हैं। जनता अपनी राय भी बना चुकी है। राजनीतिक गलियारों में "दूध का दूध और पानी का पानी" होने की चर्चाएं भी हो चुकी हैं। फिर भी पुलिस की जांच वहीं खड़ी नजर आ रही है, जहां एफआईआर लिखी गई थी।

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि आधी रात करीब 1 बजे जिस तत्परता से मुकदमा दर्ज हुआ, उसी तेजी से आगे कार्रवाई क्यों नहीं बढ़ी? अगर मामला इतना गंभीर था कि शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतेहसिंह राठौड़, पूर्व विधायक और 88 वर्षीय त्रिलोक पूर्बिया, पंकज शर्मा, अरुण टांक, नजमा मेवाफरोश सहित अन्य नेताओं पर राजकार्य में बाधा का केस दर्ज करना पड़ा, तो फिर पुलिस अब तक उनसे संपर्क तक क्यों नहीं कर पाई? क्या मजबूरी रही होगी, पहले किसका दबाव था अब कौन पुलिस के हाथ खींच रहा है। कहीं मामले को ठंडे बस्ते में डालने की या रोलबेक करने की तैयारी तो नहीं।

शहर की राजनीतिक चौपालों में यह सवाल भी तैर रहा है कि क्या यह एफआईआर सिर्फ मैसेज देने के लिए दर्ज की गई थी? क्योंकि जिन नेताओं पर आरोप हैं, वे खुद कह रहे हैं कि उन्हें मुकदमे की जानकारी उन्हें 24 न्यूज अपडेट से पहली बार मिली। किसी थाने से कॉल नहीं आया। किसी अधिकारी ने पूछताछ के लिए नहीं बुलाया।

इधर, पुलिस प्रशासन का वही पारंपरिक बयान सामने आया है कि वीडियो मंगवाए जा रहे हैं, बयान लिए जाएंगे, जांच जारी है। लेकिन जनता पूछ रही है कि जब राजकाज में बाधा थी व रात को मामला दर्ज किया गया तो जिन पर आरोप है उनसे पूछताछ में इतना समय क्यों लग रहा है। इससे सवालों की सूई खुद पुलिस प्रशासन और उस अदृश्य शक्ति की तरफ घूम रही है जिस पर आरोप लग रहे हैं। वीडियो पहले से पब्लिक डोमेन में हैं, पूरा घटनाक्रम कैमरों में कैद है और संबंधित नेता खुलेआम शहर में घूम रहे हैं, मीडिया में बयान आ रहे हैं तो जांच की रफ्तार आखिर इतनी सुस्त क्यों है? सबने बताया कि आज शाम को 8 बजे तक उनके पास कोई फोन नहीं आया।

राजनीतिक जानकार इसे "दबाव और प्रदर्शन की राजनीति" का मिश्रण मान रहे हैं। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक आवाज दबाने का प्रयास बता रही है, जबकि सत्ता पक्ष से जुड़े लोग इसे प्रशासनिक अनुशासन का मामला बता रहे हैं। अब तो माकपा ने भी कांग्रेस को इस मामले में समर्थन दिया है। लेकिन इन सबके बीच सबसे ज्यादा कटघरे में पुलिस की कार्यशैली आ गई है जो 200 सीसीटीवी कैमरे देख कर 24 घंटे में मामलों का खुलासा कर देती है। यहां तो आरोपी भी दस कदम पर व एक फोन कॉल पर उपलब्ध है।

शहर में तंज कसते हुए लोग कह रहे हैं— उदयपुर पुलिस की जांच अब शायद वीडियो देखकर ही पूरी होगी, क्योंकि जिन लोगों पर केस है, उनसे पूछने की जरूरत शायद बची ही नहीं! वहीं यह सवाल भी चर्चा में है कि यदि नगर निगम आयुक्त ने अंततः ज्ञापन स्वीकार कर लिया था और मामला मौके पर शांत हो गया था, तो फिर देर रात ऐसा कौन-सा नया तथ्य सामने आ गया जिसने सीधे मुकदमे तक बात पहुंचा दी? और अगर मुकदमा सही था, तो अब कार्रवाई में यह ठहराव क्यों? बहरहाल, आधी रात की एफआईआर अब राजनीतिक बहस से ज्यादा पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल बन चुकी है। शहर देख रहा है कि "राजकार्य में बाधा" का मामला आखिर जांच तक पहुंचेगा या सिर्फ सुर्खियों तक ही सीमित रह जाएगा।

योगी कैबिनेट विस्तार कल, सपा के बागियों समेत 6 नए चेहरों की एंट्री तय

24 न्यूज अपडेट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में रविवार को बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात करने राजभवन पहुंचे, जहां नए मंत्रियों की सूची पर अंतिम चर्चा हुई। माना जा रहा है कि इस बार 5 से 6 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी, जबकि कुछ पुराने चेहरों की छुट्टी भी हो सकती है। राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी से बगावत करने वाले विधायकों मनोज पांडेय और पूजा पाल को लेकर है। दोनों को मंत्री पद मिलना लगभग तय माना जा रहा है। इसके जरिए भाजपा विपक्षी दलों में सेंध लगाने के साथ सामाजिक समीकरण भी साधने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार नाई समाज से एमएलसी रामचंद्र प्रधान, विश्वकर्मा समाज से भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, जाट चेहरे के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, ब्राह्मण समाज से पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा और भाजपा प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला भी मंत्री पद की दौड़ में हैं। कृष्णा पासवान का नाम भी चर्चा में है। भाजपा इस विस्तार के जरिए जातीय और सामाजिक संतुलन साधने पर फोकस कर रही है। ब्राह्मण समाज की नाराजगी को देखते हुए दो नए ब्राह्मण चेहरों को जगह मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दलित और महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भी पार्टी का जोर है। वर्तमान में मुख्यमंत्री समेत योगी मंत्रिमंडल में कुल 54 मंत्री हैं और संवैधानिक सीमा के अनुसार अभी छह पद खाली हैं। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले 5 मार्च 2024 को योगी सरकार का पहला विस्तार हुआ था, जबकि अब यह दूसरा बड़ा विस्तार होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विस्तार केवल सरकार का नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीतिक तैयारी का संकेत भी है।

बंगाल में भाजपा का नया अध्यायः सुवेंदु अधिकारी ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, मोदी ने जनता को घुटनों पर बैठकर किया नमन

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता, 9 मई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, जब सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल आर.एन. रवि ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सुवेंदु ने बांग्ला भाषा में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के लगभग 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। समारोह में भाजपा समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे मैदान में "जय श्रीराम" के नारे गूंजते रहे। सुवेंदु अधिकारी के साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू और निषिथ प्रमाणिक ने मंत्री पद की शपथ ली। मोदी ने टैगोर को नमन, बुजुर्ग कार्यकर्ता के छुए पैर समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। बंगाली कैलेंडर के अनुसार "पोचिशे बोइशाख" के दिन गुरुदेव की 165वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने भाजपा के 98 वर्षीय वरिष्ठ कार्यकर्ता माखनलाल सरकार को मंच पर सम्मानित किया। मोदी ने उन्हें शॉल ओढ़ाया और उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। माखनलाल सरकार 1952 के कश्मीर आंदोलन में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ तिरंगा फहराने गए थे और तब गिरफ्तार हुए थे।

जनता को घुटनों पर बैठकर किया प्रणाम

समारोह के आखिर में एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री मोदी मंच पर घुटनों के बल बैठ गए और परेड ग्राउंड में मौजूद लोगों को प्रणाम किया। भाजपा नेताओं ने इसे "जनता के प्रति सम्मान और आभार" का प्रतीक बताया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सुवेंदु अधिकारी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ मंच तक रोड शो भी किया।

शेख हसीना ने दी बधाई

इधर, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना ने भी सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। बताया गया कि उन्होंने भाजपा की जीत को "जनादेश का सम्मान" बताते हुए पश्चिम बंगाल के विकास की उम्मीद जताई। शेख हसीना फिलहाल भारत में रह रही हैं।

ठाकुरबाड़ी पहुंचे सुवेंदु, कहा-

विकास सरकार की प्राथमिकता

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी जोरासांको ठाकुरबाड़ी पहुंचे और गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बंगाल में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, शिक्षा और औद्योगिक निवेश पर विशेष ध्यान देगी। उधर, सुवेंदु अधिकारी के पिता शिशिर कुमार अधिकारी ने कहा कि यह "सिर्फ एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि आम जनता की जीत" है। उन्होंने नंदीग्राम आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया है।

भाजपा का लंबा इंतजार खत्म

पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है। 1982 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने वाली पार्टी ने 2016 में पहली बार तीन सीटें जीती थीं। 2021 में भाजपा 77 सीटों तक पहुंची और अब 2026 में 207 सीटें जीतकर पहली बार सत्ता में आई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह परिणाम बंगाल की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

तमिलनाडु में विजय की सत्ता एंट्री तय, 121 विधायकों के समर्थन के साथ सरकार बनाने का दावा

24 न्यूज अपडेट

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में कई दिनों से चल रहा सस्पेंस शनिवार को लगभग खत्म हो गया, जब टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय ने 121 विधायकों के समर्थन के साथ राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। लगातार चार दिनों में यह विजय और राज्यपाल की चौथी मुलाकात रही।

234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों की जरूरत थी, जबकि टीवीके अब इस आंकड़े से तीन सीटें आगे पहुंच चुकी है। कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम), वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन ने विजय की सत्ता की राह आसान कर दी है।

4 मई को आए चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली थीं। हालांकि बहुमत से दूर रहने के कारण विजय को सहयोगी दलों की तलाश करनी पड़ी।

5 मई को कांग्रेस ने डीएमके से दूरी बनाते हुए टीवीके को समर्थन दिया और विधायकों का आंकड़ा 113 तक पहुंच गया। इसके बाद 7 मई को वाम दल सीपीआई और सीपीआई(एम) के समर्थन से संख्या 117 हो गई, लेकिन बहुमत का जादुई आंकड़ा अब भी अधूरा था।

इस बीच विजय ने कई दौर की राजनीतिक बातचीत की। वीसीके और आईयूएमएल शुरू में समर्थन को लेकर असमंजस में रहे, जिससे दो बार शपथ ग्रहण टल गया और चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम पहुंचे हजारों समर्थकों को निराश लौटना पड़ा।

शनिवार को दोनों दलों के समर्थन पत्र मिलने के बाद विजय ने एक बार फिर राजभवन पहुंचकर सरकार गठन का दावा पेश किया। अब तमिलनाडु में नई सरकार के गठन का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है।

विनेश फोगाट पर डब्ल्यूएफआई सख्त, डोमेस्टिक कुश्ती से अस्थायी बैन और 15 पन्नों का नोटिस जारी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और ओलिंपियन पहलवान विनेश फोगाट के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर 26 जून तक घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने पर रोक लगाते हुए अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। महासंघ की ओर से जारी 15 पन्नों के नोटिस में कहा गया है कि विनेश ने संन्यास से वापसी से पहले अनिवार्य छह महीने की सूचना नहीं दी, जो डब्ल्यूएफआई संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन है। महासंघ ने यह भी आरोप लगाया कि उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश से चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा है और पूछा है कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। विवाद की एक बड़ी वजह दिसंबर 2025 में बेंगलुरु में हुए डोप टेस्ट में अनुपस्थित रहना भी है। इस मामले में इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) ने 4 मई को विनेश को नोटिस जारी किया था।

पेरिस ओलिंपिक 2024 में ओवरवेट पाए जाने के बाद डिसक्वालीफाई हुई विनेश ने तब कुश्ती से संन्यास का ऐलान किया था, लेकिन बाद में वापसी कर ली थी।

इधर, कुछ दिन पहले ही विनेश ने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह पर फिर गंभीर आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उन्होंने कहा था कि गोंडा में आयोजित होने वाले सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेना उनके लिए मानसिक रूप से कठिन होगा, क्योंकि वह खुद बृजभूषण के खिलाफ शिकायत करने वाली छह महिला पहलवानों में शामिल हैं और मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। विनेश ने यह भी कहा कि यदि प्रतियोगिता के दौरान उनके साथ कुछ गलत होता है तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

संपादकीय : अपराध का दायरा

देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था अन्य गों के मुकाबले ज्यादा चाक-चौबंद होगी और यहां अपराध को ज्यादा सक्षम तरीके से काबू में किया जाएगा। मगर समय-समय पर आने वाले अपराध के आंकड़ों में यही विडंबना सामने आती है कि दिल्ली में अपराधियों का दुस्साहस उफान पर है और उन पर पूरी तरह लगाम लगा पाना पुलिस-प्रशासन के लिए संभव नहीं हो सका है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दर्ज हुए आपराधिक मामलों के संदर्भ में देश के अन्य महानगरों की तुलना में दिल्ली की दशा ज्यादा खराब है। सवाल है कि हर स्तर पर कानून-व्यवस्था के पुख्ता होने के दावों के बावजूद स्थिति ऐसी क्यों है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की 'भारत में अपराध 2024 ' रपट में यह उजागर हुआ है कि देश के उन्नीस महानगरों की तुलना में दिल्ली में सबसे ज्यादा संज्ञेय अपराधों के मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि पिछले दो वर्ष में अपराधों में गिरावट देखी गई है, इसके बावजूद एनसीआरबी के आंकड़े यही बताते हैं कि अपराध और अपराधियों पर काबू पाने में यहां की पुलिस को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, देश के उन्नीस महानगरों में कुल पांच लाख तिरानबे हजार छियानबे मामले दर्ज हुए, जिनमें अकेले दिल्ली की भागीदारी छियालीस फीसद से ज्यादा रही। कहा जा सकता है कि देश के कुल महानगरों में जितने अपराध होते हैं, उनमें से हर दूसरा दिल्ली में दर्ज हुआ। हालांकि एनसीआरबी की मानें तो एक पहलू यह है कि जिन राज्यों में आनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराने की सुविधा है, वहां लोग जयन्व से लेकर छोटे-बड़े सभी अपराधों की शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकते हैं। जिन राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां अपराध के आंकड़े तुलनात्मक रूप से कम दर्ज हो सकते हैं। यानी यह स्वीकार किया जा रहा है कि देश के कई हिस्सों में आज भी सुविधा न होने या फिर प्रक्रिया की जटिलता की वजह से बहुत सारे लोग पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज नहीं कर पाते। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपराध के कितने पीड़ित इंसाफ का इंतजार करते रह जाते होंगे। इस लिहाज से देखें तो निश्चित तौर पर दिल्ली में एक तंत्र के काम करने के ढांचे में बेहतरी लाई गई है। मगर सवाल है कि अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार और संबंधित महकमे क्या करते हैं। इसके अलावा, वक्त के साथ एक नई जटिलता यह पैदा हुई है कि रोजमर्रा की गतिविधियों के संदर्भ में जैसे-जैसे लोगों की निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर बढ़ रही है, अब अपराधियों की नजर उधर भी खिसक रही है। मसलन, खुद एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधियों के गिरोह अब डिजिटल संसार में अपनी दखल बढ़ा रहे हैं। साइबर अपराधों में करीब अठारह फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें आनलाइन ठगी 'डिजिटल अरेस्ट' और भयादोहन जैसे मामले सबसे ज्यादा देखे जा रहे हैं। यह हाल के वर्षों में उपजी नई चुनौती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है। महानगरों में सुविधाओं से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सब कुछ अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर और दुरुस्त होने की उम्मीद की जाती है। उसमें भी अगर अपराध के मामले में दिल्ली कई महानगरों को पीछे छोड़ रही है, तो यह सोचने का वक्त है कि आखिर यहां सरकार, पुलिस और खुफिया तंत्र तथा अन्य एजेंसियों के बीच किस स्तर पर तालमेल और सक्रियता में कमी है, जिसमें तत्काल सुधार की जरूरत है।

सेहत से खिलवाड़

स्वस्थ रहने के लिए फल और हरी सब्जियों का सेवन जरूरी माना जाता है। चिकित्सक भी लोगों को अपने रोजमर्रा के आहार में इन्हें शामिल करने की सलाह देते हैं। मगर इनकी पैदावार में जहरीले रसायनों का बढ़ता इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय बन गया है। फलों को समय से पहले पकाने, चमकदार बनाने और हरी सब्जियों का आकार जल्दी बढ़ाने के लिए विभिन्न तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है, जो मनुष्य के लिए घातक हो सकते हैं। ऐसा ही एक मामला हाल में मुंबई के पायथोनी इलाके में सामने आया, जहां तरबूज खाने के बाद एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। फोरेंसिक जांच रपट के मुताबिक, मृतकों के आंतरिक अंगों और तरबूज नमूनों में चूहे मारने की दवा के अंश पाए गए हैं पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तरबूज के अंदर यह दवा कैसे आई। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं तरबूज को पकाने के लिए तो इस दवा का इस्तेमाल नहीं किया गया ! इस मामले में पुलिस की जांच के बीच अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर परिवार के चार सदस्यों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? फसलों को कीटों और अन्य जंतुओं से बचाने के लिए कीटनाशक तैयार किए गए हैं लेकिन इनका अंधाधुंध और अवैज्ञानिक इस्तेमाल अब मानव के स्वास्थ्य तथा जीवन पर भारी पड़ रहा है। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि कच्चे फल-सब्जियों को पकाने और उनका आकार जल्दी बढ़ाने के लिए इंजेक्शन से उनके भीतर रसायन डाला जाता है, जो कि स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है। हालांकि सरकार की ओर से कीटनाशकों की खरीद-बिक्री और इनके इस्तेमाल को लेकर नियम - शर्तें लागू की गई हैं, लेकिन इन पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करने में विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ नजर आती है। ऐसे में इसकी नितांत जरूरत है कि संबंधित महकमे की ओर से नियमित तौर पर फल-सब्जियों की जांच की जाए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो और हानिकारक रसावनों के इस्तेमाल से सेहत पर दुष्प्रभाव को लेकर व्यापक जागरूकता फैलाई जाए, ताकि लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन के साथ किसी तरह का खिलवाड़ न हो।

रातभर तलाश के बाद गड्ढे में मिला युवक का शव, खंभे से टकराने की आशंका

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। शहर के मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे एक गहरे गड्ढे में युवक का शव मिला। मृतक की पहचान करजाली निवासी 24 वर्षीय हिम्मत सिंह पुत्र रतन सिंह के रूप में हुई। युवक शुक्रवार रात से लापता था और परिजन पूरी रात उसकी तलाश करते रहे। जानकारी के अनुसार हिम्मत सिंह शहर में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के होटल में कार्य करता था। शुक्रवार रात ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह बाइक लेकर निकला था, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचा। मोबाइल पर संपर्क नहीं होने के बाद परिवार के लोग और होटल कर्मचारी उसकी तलाश में जुट गए। काफी खोजबीन के बावजूद जब युवक का कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने सदर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। शनिवार सुबह परिवार के लोग एक बार फिर उसकी तलाश में निकले। इसी दौरान बोजुंदा और मेडिकल कॉलेज के बीच सड़क किनारे बिजली के खंभे के पास झाड़ियों में उसकी बाइक दिखाई दी। बाइक मिलने के बाद परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की। कुछ दूरी पर करीब 10 से 12 फीट गहरे गड्ढे में युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई, जिसके बाद युवक गड्ढे में जा गिरा। हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

नाड़ी में डूबने से दो मासूमों की मौत, नहाने गए थे, एक घंटे बाद पानी से निकाले गए शव

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 9 मई। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित कुंवाड़ा खान इलाके में शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। नाड़ी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर दोनों के शव बाहर निकाले। पुलिस के अनुसार कुंवाड़ा खान क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी 12 वर्षीय अब्बास पुत्र जाकिर हुसैन और 14 वर्षीय अल्तमस पुत्र जब्बार मोहम्मद शनिवार दोपहर करीब 2 बजे नाड़ी में नहाने गए थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

चप्पल और कपड़े देख हुई अनहोनी की आशंका

घटना का पता तब चला जब वहां से गुजर रहे लोगों ने नाड़ी के बाहर बच्चों की चप्पल और कपड़े पड़े देखे। लोगों ने बच्चों को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद आसपास तलाश की गई, लेकिन दोनों नहीं मिले तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से तलाश अभियान शुरू किया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों बच्चों के शव पानी से बाहर निकाले गए।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

दोनों बच्चों को तत्काल महात्मा गांधी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इनकार

पुलिस ने शवों को अस्पताल की मोर्च्युरी में रखवाया, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद पुलिस ने दोनों शव परिजनों को सौंप दिए। सुभाष नगर थाने के हेड कांस्टेबल राजेंद्र पाल ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत नाड़ी में डूबने से हुई है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नागखाली घाटी में ऑटो पलटा, बुजुर्ग की मौत, नाबालिग सहित 12 घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 9 मई। जिले के दानपुर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में ऑटो पलटने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि नाबालिग सहित करीब 12 लोग घायल हो गए। हादसा नागखाली घाटी के पास ढलान वाले मार्ग पर हुआ। डीएसपी गोपींचद मीणा ने बताया कि ऑटो कटुम्बी से घोड़ी तेजपुर की ओर सवारियां लेकर जा रहा था। नागखाली घाटी में अचानक चालक संतुलन खो बैठा, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कालियाबोर निवासी 60 वर्षीय देवा पुत्र मंगला ऑटो के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही दानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवाया।

12 घायल, अस्पताल में अफरा-तफरी

हादसे में मीरा, पंकज, सविता, धुलचंद, राधी, भूमसागर, सन्ता, गणेश कटारा, अर्जुन कटारा, विक्रम सहित एक नाबालिग अमोल घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के अस्पताल पहुंचने से इमरजेंसी वार्ड में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने तुरंत उपचार शुरू कर स्थिति को संभाला। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

डूंगरपुर में अवैध गीली लकड़ी परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रक जब्त

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गठित डीएसटी टीम ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी कार्रवाई करते हुए गीली लकड़ियों का अवैध परिवहन कर रहे तीन ट्रकों को जब्त किया है। यह कार्रवाई बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर की गई। पुलिस ने तीनों ट्रकों के चालकों को भी हिरासत में लिया है। डीएसटी प्रभारी मदनलाल ने बताया कि टीम को बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से गीली लकड़ियों के परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर डीएसटी टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू की। जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के गीली लकड़ियों का परिवहन करते हुए तीन ट्रक पकड़े गए। पुलिस ने ट्रकों के चालकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए आरोपियों में रघुराज राज सिंह, शेरू उर्फ नानालाल मीणा तथा मनीष शर्मा शामिल हैं। डीएसटी टीम ने तीनों ट्रकों को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए बिछीवाड़ा थाने को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार डीएसटी टीम अब तक पर्यावरण संबंधी अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए छह क्रेन, चौदह ट्रक और तीन ट्रैक्टर जब्त कर चुकी है। प्रशासन की यह कार्रवाई अवैध परिवहन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के प्रयासों का हिस्सा है।

हरिदास जी की मगरी में बाइक दिलाने के नाम पर ठगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हरिदास जी की मगरी इलाके में मोटरसाइकिल दिलाने के नाम पर रुपए लेकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। अम्बामाता थाना पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार महिपाल सिंह शेखावत पुत्र सुरेन्द्र सिंह शेखावत, निवासी जे-16 हरिदास जी की मगरी मल्लातलाई, ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि आरोपी ने उनसे मोटरसाइकिल दिलाने के नाम पर रुपए लिए, लेकिन ना तो बाइक दिलाई और ना ही रकम लौटाई। मामले में कृष्णा राज रोड क्षेत्र को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(2) और 61(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें धोखाधड़ी और विश्वास तोड़कर आर्थिक नुकसान पहुंचाने जैसे आरोप शामिल हैं। प्रकरण की जांच रमाशंकर कर रहे हैं।

ढीकली में भूखंड पर बवाल: कब्जे वाली जमीन में घुसकर मारपीट, कई लोगों पर गंभीर धाराओं में केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ढीकली क्षेत्र में भूखंड विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। प्रतापनगर थाना पुलिस ने कब्जेशुदा जमीन में जबरन घुसकर मारपीट करने के आरोप में कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मयंक व्यास पुत्र विजेन्द्र कुमार व्यास, निवासी श्रीनगर कॉलोनी गायरीयावास, ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 8 मई को आरोपियों ने मिलकर उनके कब्जेशुदा भूखंड में अनाधिकृत प्रवेश किया और उनके साथ मारपीट कर चोटें पहुंचाई। प्रकरण में शांतिलाल, भगवती गमेती, गोविन्द गमेती सहित अन्य लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 115(2), 189(2) और 329(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में मारपीट, राजकार्य में बाधा और सामूहिक रूप से अवैध प्रवेश जैसे आरोप शामिल हैं। मामले की जांच उप निरीक्षक सुनील कुमार कर रहे हैं। पुलिस अब जमीन विवाद की पृष्ठभूमि, मौके की स्थिति और दोनों पक्षों के बीच चल रहे विवाद की जांच में जुटी हुई है।

दक्षिणी सुंदरवास में लाठी से हमला, पेंटर के सिर पर वार, प्रतापनगर थाने में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुरं प्रतापनगर थाना क्षेत्र में मारपीट का मामला सामने आया है। दक्षिणी सुंदरवास इलाके में एक पेंटर पर लाठी से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पुष्कर गायरी पुत्र कैसुलाल गायरी, निवासी उत्तरी सुंदरवास सरकारी स्कूल के पीछे, ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 7 मई की रात करीब 8 बजे आरोपी गुफरान पुत्र मुबारिक हुसैन निवासी दक्षिणी सुंदरवास ने उसके साथ लाठी से मारपीट की। परिवादी के अनुसार हमले में उसके सिर और शरीर पर चोटें आईं। घटना के बाद घायल को उपचार दिलाया गया। मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 110, 126(2), 115(2) और 324(2-6) बीएनएस 2023 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच उप निरीक्षक आमप्रकाश कर रहे हैं। पुलिस अब घटना के कारणों और दोनों पक्षों के बीच विवाद की पृष्ठभूमि की जांच में जुटी है।

उपली बड़ी में महिला की जिंदगी छीनने वाला लेपर्ड आया पिंजरे में, लोगों ने ली राहत की सांस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के उपली बड़ी इलाके से आज राहत भरी खबर आई है। पिछले कई दिनों से लोगों की नींद उड़ाने वाला लेपर्ड आखिरकार पकड़ लिया गया है। वही लेपर्ड जिसने एक महिला पर हमला कर उसकी जान ले ली थी अब पिंजरे में कैद है। सुबह जब ग्रामीण खेतों की तरफ निकले तो अचानक पिंजरे के आसपास हलचल दिखी। लोग पास पहुंचे तो अंदर कैद था वही खूंखार लेपर्ड जिसकी वजह से पूरा इलाका दहशत में जी रहा था। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद लेपर्ड को सुरक्षित तरीके से सज्जनगढ़ अभयारण्य पहुंचाया गया। दरअसल कुछ दिन पहले गमेती बस्ती में रहने वाली भूरी बाई देर रात घर के बाहर निकली थीं। अंधेरे में छिपे लेपर्ड ने अचानक हमला कर दिया। महिला संभल पाती उससे पहले चेहरे और गर्दन पर ताबड़तोड़ झपट्टा मारा गया। चीख-पुकार सुनकर लोग दौड़े लेकिन तब तक लेपर्ड जंगल में गायब हो चुका था। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल पहुंचाया गया मगर जिंदगी नहीं बच सकी। इस घटना के बाद उपली बड़ी से लेकर आसपास के गांवों तक डर ऐसा फैल गया कि रात होते ही लोग घरों में कैद हो जाते थे। ग्रामीण लगातार वन विभाग पर सवाल उठा रहे थे। समय रहते कार्रवाई होती तो शायद एक जान बच सकती थी। मामला बढ़ा विरोध बढ़ा और आखिरकार विभाग को इलाके में पिंजरा लगाना पड़ा। अब लेपर्ड पकड़ में आ गया है लेकिन गांव में अब भी सतर्कता का माहौल है। वन विभाग ने साफ कहा है कि जंगल से लगे इलाकों में लोग रात के समय सावधानी रखें अकेले बाहर नहीं निकलें और किसी भी हलचल की तुरंत सूचना दें।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

83 लाख के बीमा क्लेम के लिए रची मौत की साजिशः शव को करंट लगाकर हादसा दिखाने की कोशिश, 4 हिरासत में

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 9 मई। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बीमा क्लेम हासिल करने के लिए मौत को हादसे का रूप देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि एक युवक की मौत के बाद उसके शव को बिजली का करंट देकर अंगुलियां जलाई गईं, ताकि इसे खेत में करंट लगने से हुई दुर्घटना साबित किया जा सके। मामले में पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है और एक संगठित बीमा गिरोह के सक्रिय होने की आशंका जताई है। राजस्थान पुलिस के अनुसार मृतक दीपक (36) गुजरात के अहमदाबाद जिले के नरोदा क्षेत्र का निवासी था। उसकी मां चंपाबेन ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग इलाज कराने के बहाने दीपक को गुजरात से राजस्थान लेकर आए थे। रास्ते में वे लोग मांडल क्षेत्र के मालोला गांव में एक मकान पर रुके, जहां देर रात दीपक की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार मौत के बाद साथ आए लोगों ने शव को कमरे में ले जाकर पैर के अंगूठे और हाथ की अंगुलियों को जला दिया। इसके बाद उसे करंट लगने का मामला बताते हुए अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में दावा किया गया कि दीपक खेत में काम करते समय बिजली की चपेट में आ गया था।

डॉक्टर को हुआ शक, खुला पूरा खेल

रोहित सहरावत ने जब शव का परीक्षण किया तो उन्हें करंट से मौत की कहानी संदिग्ध लगी। शरीर पर इलेक्ट्रोड के निशान और जलने के पैटर्न सामान्य बिजली हादसे से मेल नहीं खा रहे थे। डॉक्टर ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जांच शुरू होने पर पुलिस को पता चला कि मृतक के साथ आए लोग अस्पताल से चुपचाप फरार हो गए थे। मृतक के 14 वर्षीय बेटे ने पुलिस को विशाल, सूरज, अर्जुन और भरत नाम के लोगों की जानकारी दी। इसके बाद मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने गंगरार टोल नाका से चारों को हिरासत में ले लिया और वाहन जब्त कर लिया।

बेटे का आरोप- पिता के शव को जानबूझकर जलाया मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता की हालत लंबे समय से खराब थी और गुजरात के कई अस्पतालों में इलाज कराया गया था। एक डॉक्टर ने परिवार को कह दिया था कि दीपक ज्यादा समय तक जीवित नहीं रहेगा। इसके बाद आरोपियों ने परिवार पर दबाव बनाया कि मौत को बीमारी नहीं बल्कि करंट हादसा बताया जाए। बेटे के अनुसार शव के हाथ, पेट और अंगुलियों को जलाया गया। यहां तक कि अंगुली से खून निकालने की कोशिश की गई और सीने को दबाकर रक्त बहाने का प्रयास भी किया गया, ताकि हादसे जैसा दृश्य बनाया जा सके।

शराब और गरीबी को बनाते थे हथियार

दीपक की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी ऐसे लोगों को निशाना बनाते थे जो शराब की लत, गंभीर बीमारी या आर्थिक तंगी से जूझ रहे हों। आरोपियों द्वारा शराब पीने के लिए हर महीने रुपए दिए जाते थे और बीमा की किस्तें भी वही भरते थे। दीपक भी पत्नी की मौत के बाद शराब का आदी हो गया था। लगातार शराब सेवन से उसकी किडनी खराब हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि गिरोह पहले ऐसे लोगों का भारी बीमा करवाता था और बाद में मौत होने पर दुर्घटना दिखाकर बीमा क्लेम हासिल करने की साजिश रचता था।

83 लाख का बीमा, 71 लोगों पर भी शक

पुलिस जांच में सामने आया है कि दीपक के नाम पर करीब 83 लाख रुपए के चार अलग-अलग बीमा पॉलिसी ली गई थीं। परिवार का दावा है कि इसी गिरोह ने गांव के दर्जनों अन्य लोगों का भी बीमा करा रखा है। मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि करीब 71 लोगों को इसी तरह जाल में फंसाया गया है। धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, कॉल डिटेल और बीमा दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में बीमा एजेंटों और अन्य लोगों की मिलीभगत की आशंका भी सामने आई है।

शव ले जाने तक के पैसे नहीं थे

घटना के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामने आई। दीपक का शव गुजरात ले जाने के लिए करीब 16 हजार रुपए की जरूरत थी, लेकिन परिजनों के पास राशि नहीं थी। बाद में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पुलिसकर्मियों की मदद से शव को गुजरात भेजा गया।

कोटा मेडिकल कॉलेज में हड़कंप : डॉक्टर बर्खास्त, तीन कर्मचारी सस्पेंड; जांच के घेरे में इमरजेंसी ओटी

24 न्यूज अपडेट

कोटा। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की लगातार बिगड़ती तबीयत ने चिकित्सा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले चार दिनों में आठ महिलाओं की हालत खराब होने के मामलों के बाद प्रशासन हरकत में आया है। अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि कई मरीजों की किडनी प्रभावित होने के कारण उन्हें निजी अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने एक डॉक्टर को बर्खास्त कर दिया है, जबकि तीन अन्य कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। दूसरी ओर ड्रग कंट्रोल विभाग ने गायनी वार्ड में उपयोग की जा रही 24 प्रकार की दवाओं और उपकरणों के इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगा दी है।

प्रशासन रात में अस्पताल पहुंचा

गुरुवार रात करीब 10 बजे जिला कलेक्टर और एडीएम सिटी निजी अस्पताल पहुंचे, जहां प्रभावित महिलाओं का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और परिजनों को बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया।

एक डॉक्टर की सेवा समाप्त, तीन कर्मचारी निलंबित

अस्पताल प्रशासन ने ऑपरेटिंग सर्जन एवं गायनेकोलॉजी विभाग की संविदाकर्मी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रद्धा की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। वहीं इमरजेंसी ओटी के ऑफिसर इंचार्ज डॉ. नवनीत शर्मा, ओटी सिस्टर इंचार्ज गुरजीत कौर और लेबर रूम सिस्टर इंचार्ज निमेश वर्मा को सस्पेंड किया गया है।

एक ही ओटी में हुई सभी सर्जरी

जांच में सामने आया है कि जिन महिलाओं की तबीयत बिगड़ी, उनकी सर्जरी एक ही इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर में हुई थी। चौंकाने वाली बात यह रही कि शुरुआती मामलों के बाद भी उसी ओटी में दो और महिलाओं की सर्जरी की गई, जिसके बाद उनकी हालत भी बिगड़ गई।

दो और महिलाओं की किडनी प्रभावित

नए मामलों में किरण और शिरीन नामक दो महिलाओं को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों को यूरिन बंद होने और संक्रमण की शिकायत के बाद डायलिसिस करनी पड़ी।

तीसरी डिलीवरी में बिगड़ी किरण की हालत

कोटा के कसार क्षेत्र निवासी 26 वर्षीय किरण को 5 मई की रात डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था। परिवार के अनुसार डॉक्टरों ने पहले सामान्य प्रसव की बात कही थी, लेकिन बाद में सिजेरियन किया गया। ऑपरेशन के करीब 18 घंटे बाद किरण का यूरिन बंद हो गया और उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने बाद में उन्हें निजी अस्पताल ले जाने की सलाह दी। फिलहाल किरण का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी डायलिसिस की गई है।

गर्भवती शिरीन की भी बिगड़ी तबीयत

शिवपुरा निवासी 20 वर्षीय शिरीन छह महीने की गर्भवती है। बच्चेदानी का मुंह खुलने पर डॉक्टरों ने टांके लगाने की सलाह दी थी। परिजनों का कहना है कि शिरीन को उसी ओटी में ले जाया गया, जहां पहले प्रभावित महिलाओं की सर्जरी हुई थी। ऑपरेशन के कुछ घंटों बाद उसे ब्लीडिंग, बुखार और प्लेटलेट्स कम होने की समस्या शुरू हो गई। बाद में उसका यूरिन बंद हो गया और उसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल रेफर करना पड़ा। डॉक्टरों ने शरीर में संक्रमण की पुष्टि की है।

48 घंटे में दो महिलाओं की मौत

मामले की शुरुआत 3 और 4 मई को हुई, जब सिजेरियन डिलीवरी के बाद छह महिलाओं की हालत अचानक बिगड़ गई। इनमें पायल और ज्योति नामक दो महिलाओं की 48 घंटे के भीतर मौत हो गई। सभी मरीजों में संक्रमण और किडनी फेल होने जैसे समान लक्षण पाए गए।

लोरेंस गैंग के गुर्गे सुनील मीणा का करीबी गिरफ्तार, घर में छिपा रखे थे जिंदा कारतूस

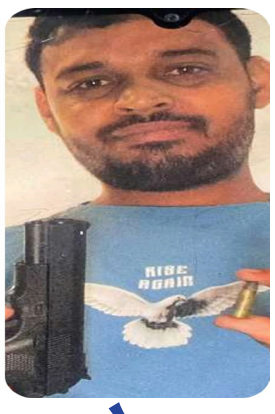

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 09 मई। राजस्थान एटीएस ने संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस गैंग से जुड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए एक युवक अनिल कुमार उर्फ मोंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सात जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी फरार गैंगस्टर सुनील कुमार मीणा उर्फ एस.के. के संपर्क में था, जिसे लॉरेंस गैंग का करीबी माना जात है।

यह कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री दिनेश एम. एन. के निर्देशन और महानिरीक्षक पुलिस श्री राजेश सिंह के सुपरविजन में की गई। पुलिस अधीक्षक श्री ज्ञानचंद यादव के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी अनिल कुमार जाट उर्फ मोंटी हथियार तस्करी और गैंग से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय है।

जांच में सामने आया कि आरोपी जयपुर ग्रामीण के सामोद थाना क्षेत्र के बांसा कुशलपुरा का निवासी है और लंबे समय से फरार गैंगस्टर सुनील मीणा के संपर्क में था। सुनील मीणा मूलत करतारपुर ग्रामीण जालंधर का स्थाई निवासी है जो वर्तमान में भारत से बाहर फरारी काट रहा है। इसके विदेशी गैंगस्टरों, खासकर पाकिस्तान में बैठे अपराधियों से भी संपर्क होने की जानकारी मिली है।

एटीएस ने अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपने घर में कारतूस छिपाकर रखने की बात कबूल की। इसके बाद एटीएस ने जयपुर ग्रामीण पुलिस से समन्वय स्थापित किया।

सूचना के आधार पर सामोद थाना प्रभारी गोपीचन्द के नेतृत्व में उप निरीक्षक बाबूलाल मय टीम द्वारा पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान मकान की सीढ़ियों में छिपाकर रखे गए 7 जिंदा कारतूस बरामद कर जब्त किए गए। आरोपी अनिल कुमार जाट उर्फ मोंटी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां अब उसके गैंग कनेक्शन, हथियारों के स्रोत और संभावित नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं।

एटीएस ने आमजन से अपील की है कि अवैध हथियारों के परिवहन, खरीद-फरोख्त या कब्जे से संबंधित किसी भी सूचना को हेल्पलाइन नंबर 0141-2610949 और व्हाट्सऐप नंबर 900001-999070 पर साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उचित इनाम भी दिया जाएगा।

राजस्थान सचिवालय के जनसंपर्क विभाग में लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका, समय रहते पाया गया काबू

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 9 मई। राजस्थान सचिवालय स्थित डीआईपीआर (जनसंपर्क विभाग) सेक्शन में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी बताई जा रही है। घटना के दौरान सतर्कता बरतते हुए तत्काल एमसीबी ट्रिप कर बिजली सप्लाई बंद कर दी गई, जिससे आग फैलने से रोकी जा सकी। सूचना मिलते ही दमकल

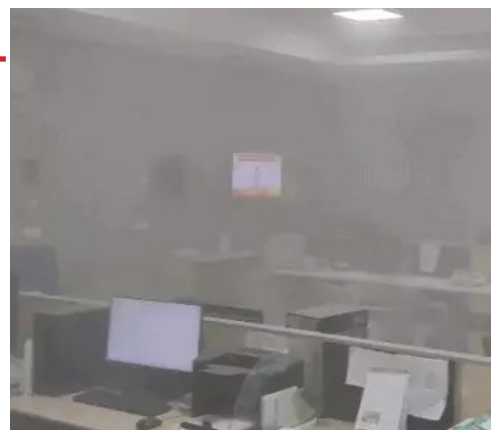

विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का कार्य शुरू किया। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा ली गई और किसी प्रकार के बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही जनसंपर्क विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

'सुदर्शन चक्र-2' का वार सफल, 3 साल से फरार इनामी तस्कर घासा पुलिस के शिकंजे में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के विशेष अभियान "ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2" के तहत घासा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन साल से फरार चल रहे 3 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में वांछित था। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा अंजना सुखवाल और सहायक पुलिस अधीक्षक मावली आशिमा वासवानी के सुपरविजन में घासा थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने टीम के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश पुत्र सदराम (34) निवासी कारटिया, थाना सेड़वा, जिला बाड़मेर, पुलिस थाना डबोक में दर्ज प्रकरण संख्या 296/22 में पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 08/15, आर्म्स एक्ट 3/25 तथा अन्य धाराओं में मामला दर्ज था। घासा पुलिस ने तकनीकी सूचना और लगातार निगरानी के बाद आरोपी को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। फिलहाल आरोपी पुलिस अभिरक्षा में है और उससे मामले में आगे की पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल राजकुमार, कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, प्रीतम, सुरेश कुमार, सीताराम और सुरेन्द्र कुमार की विशेष भूमिका रही।

राजस्थान पुलिस का 'वरिष्ठ जन सम्बल (Seniors Not Alone)" अभियान

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 09 मई। उम्र के उस पड़ाव पर जहाँ अपनों का साथ सबसे बड़ी ताकत होती है, वहाँ अजमेर पुलिस एक 'बेटे' और 'संबल' की भूमिका निभा रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार और जिला पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अग्रवाला के निर्देशन में संचालित "वरिष्ठ जन सम्बल कार्यक्रम (Seniors Not Alone)" ने पुलिस के मानवीय चेहरे को एक नई पहचान दी है।

वृत दक्षिण के वृताधिकारी मनीष बड़गूजर के सुपरविजन में पुलिस की टीमें केवल थानों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के घर की चौखट तक पहुँच बनाई। अभियान का मुख्य उद्देश्य उन बुजुर्गों को सुरक्षा का अहसास कराना है जो अकेले रहते हैं या असहाय हैं। पुलिस अधिकारियों और बीट प्रहरियों ने घर-घर जाकर न केवल उनका हाल-चाल जाना, बल्कि उनकी उन छोटी-मोटी समस्याओं को भी सुना जिन्हें अक्सर समाज अनदेखा कर देता है।

सुरक्षा का त्रि-स्तरीय कवच

वृत दक्षिण के विभिन्न थानों आदर्शनगर, अलवरगेट, क्लॉक टावर और रामगंज द्वारा की गई कार्यवाही में तीन मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गयाः

1. पंजीकरण और डेटाः अकेले रहने वाले बुजुर्गों और वृद्ध दंपत्तियों का विस्तृत डेटा तैयार किया गया ताकि आपात स्थिति में उन तक तुरंत पहुँचा जा सके।
2. जागरूकता का मंत्रः डिजिटल युग में बुजुर्ग सबसे आसान शिकार होते हैं। पुलिस ने उन्हें साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और अज्ञात व्यक्तियों से सावधानी बरतने के व्यावहारिक तरीके सिखाए।
3. हेल्पलाइन की शक्तिः प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को आपातकालीन नंबरों की जानकारी दी गई और उन्हें विश्वास दिलाया गया कि पुलिस केवल एक कॉल की दूरी पर है।

थानों की सक्रियता और सामुदायिक जुड़ाव

- आदर्शनगर व क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में बीट अधिकारियों ने व्यक्तिगत संवाद के जरिएब कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत किया। बुजुर्गों के मन से पुलिस का डर निकालकर मित्र पुलिस की छवि स्थापित की गई।
- अलवरगेट व रामगंज थाना क्षेत्रों में महिला वरिष्ठ नागरिकों और वृद्ध दंपत्तियों से विशेष संवाद किया गया।

सुदर्शन चक्र-2 में पुलिस को बड़ी सफलता, स्मैक सप्लायर फिरोज खान एक साल बाद दबोचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ऑपरेशन "सुदर्शन चक्र-2" के तहत उदयपुर पुलिस ने एनडीपीएस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वर्ष से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश फिरोज खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी को प्रोडक्शन वारंट के जरिए गिरफ्तार कर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा एवं वृताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के सुपरविजन में भूपालपुरा थानाधिकारी आदर्श कुमार और उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 22 फरवरी 2025 को सूरजपोल थाना पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड के पीछे सौ फीट रोड पर कार्रवाई करते हुए सलूम्बर निवासी महेंद्र सिंह को 27.09 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। मामले की जांच के दौरान जनता मार्ग सूरजपोल निवासी कुंदन को भी गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपियों को स्मैक सप्लाई करने वाला मुख्य आरोपी फिरोज खान पुत्र हामिद खान निवासी विरिया खेड़ी, निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ घटना के बाद से फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी पर उदयपुर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क और अन्य सप्लायर्स के संबंध में पूछताछ कर रही है।

कांग्रेस नेताओं पर मुकदमे की माकपा ने की निंदा, अधिकारियों के सामंती व्यवहार पर उठाए सवाल, मुकदमा वापस लेने की मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मई। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी उदयपुर ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन देने पहुंचे कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर सूरजपोल थाना पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज किए जाने की कड़ी निंदा की है। माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी ने जारी बयान में कहा कि लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन देना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नगर निगम और राज्य स्तर पर मुख्य विपक्षी दल है, ऐसे में उसकी बात सुनना प्रशासन की जिम्मेदारी है। सिंघवी ने आरोप लगाया कि नगर निगम आयुक्त द्वारा ज्ञापन नहीं लेना लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत तथा सामंती मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी जनता के सेवक होते हैं, न कि शासक। भाजपा सरकार के कार्यकाल में अधिकारियों का व्यवहार लगातार निरंकुश होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार जनसुनवाई और समस्या समाधान के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों की बात तक नहीं सुनी जा रही। माकपा ने मांग की कि नगर निगम आयुक्त को तत्काल पद से हटाया जाए तथा उन्हें संविधानिक दायित्वों की समझ दी जाए। माकपा शहर सचिव हीरालाल सालवी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज करना विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास है। उन्होंने मांग की कि दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएं और लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाए। सालवी ने चेतावनी देते हुए कहा कि उदयपुर की जनता लोकतंत्र विरोधी कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पशुपतिनाथ मंदिर में ध्वजा परिवर्तन महोत्सवः सुंदरकांड पाठ और महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मई। पशुपतिनाथ महादेव मंदिर एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर में रविवार को चतुर्थ पाठोत्सव वर्षगांठ एवं ध्वजा परिवर्तन महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। चेतक सर्कल स्थित पशुपालन परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। शिव मंदिर प्रबंधन एवं प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र सारडा ने बताया कि करीब सौ वर्ष प्राचीन मंदिरों में पारंपरिक विधि-विधान के साथ ध्वजा परिवर्तन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। महोत्सव में सुरेश जैन, शैलेन्द्र शुक्ला, ओम साहू, महेंद्र मेहता, बंसल, सुरेश शर्मा एवं लक्ष्मी नारायण सहित विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी और श्रद्धालु मौजूद रहे। शाम को आयोजित संगीतमय सुंदरकांड पाठ और महाआरती ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद विशाल महाप्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों सहित करीब 500 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

खाटूश्यामजी मंदिर में लाखों की चोरी का खुलासा, चित्तौड़गढ़ पुलिस ने दो बदमाश पकड़े, पांच आरोपी अब भी फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मई। मावली-फतहनगर रोड स्थित खाटूश्यामजी मंदिर में हुई लाखों रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चित्तौड़गढ़ पुलिस ने मंदिरों में हुई सिलसिलेवार चोरियों की जांच के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने उदयपुर के खाटूश्यामजी मंदिर में चोरी करना भी कबूल किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मंदिर के दानपात्र से 8 लाख रुपए से अधिक की नकदी चोरी की थी। पूरी वारदात मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी।

चित्तौड़गढ़ में पकड़े गए आरोपी चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 16 और 17 अप्रैल की रात दुर्ग स्थित मल्लीनाथ जैन मंदिर में हुई चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने निम्बाहेड़ा क्षेत्र के पेमदियों का खेड़ा निवासी मिठूलाल नायक और राशमी के पहुना निवासी कान्हा उर्फ कन्हैया नायक को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने उदयपुर जिले के फतहनगर थाना क्षेत्र स्थित खाटूश्यामजी मंदिर में चोरी करना स्वीकार किया।

पांच अन्य आरोपियों की तलाश जारी पुलिस जांच में सामने आया कि इस वारदात में घनश्याम सालवी, देवीलाल रावत, राजू उर्फ राजमल कामड़, काजल उर्फ मनीषा और नारायण नायक भी शामिल थे। फिलहाल पुलिस इन आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सीसीटीवी में कैद हुई थी वारदात

गौरतलब है कि 8 मार्च की रात मावली रोड स्थित लदाना गांव के खाटूश्यामजी मंदिर का ताला तोड़कर बदमाश दानपात्र में रखी नकदी चोरी कर ले गए थे। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी दानपात्र तोड़कर रुपए बोरे में भरते हुए साफ दिखाई दिए थे। घटना के बाद फतहनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब चित्तौड़गढ़ पुलिस की कार्रवाई के बाद इस मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

सीडीईओ के वायरल भाषण पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने कलेक्ट्री पर किया प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 10 मई। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर लाल बाल्दी के एक सरकारी कार्यक्रम में दिए गए भाषण का वीडियो वायरल होने के बाद जिले में सियासी विवाद गहरा गया है। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्री के बाहर प्रदर्शन कर सीडीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। मामला नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के खमनोर ब्लॉक स्थित गांवगुड़ा के राजकीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम से जुड़ा है। कार्यक्रम के दौरान सीडीईओ रामेश्वर लाल बाल्दी मंच से पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत को लेकर टिप्पणी करते नजर आए। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने इसे सरकारी पद की गरिमा के खिलाफ बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्री के बाहर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और बाद में जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एक निष्पक्ष प्रशासनिक अधिकारी की बजाय भाजपा प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि जिले की शिक्षा व्यवस्था और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े पद पर बैठे अधिकारी द्वारा राजनीतिक बयान देना गंभीर मामला है। कांग्रेस ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर सीडीईओ रामेश्वर लाल बाल्दी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जमीन विवाद पर दो समाज आमने-सामने, जालियां उखाड़ी गईं, प्रशासन ने संभाला मोर्चा

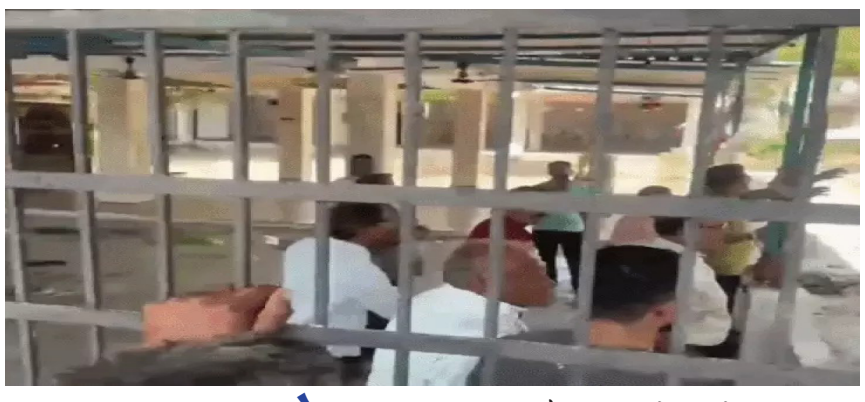

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 मई। जिले के कानोड़ कस्बे में जमीन को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद शनिवार को अचानक तनाव में बदल गया, जब विवादित भूमि पर लोहे की जालियां लगाने को लेकर दो समाज आमने-सामने आ गए। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और माहौल गरमा गया। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। जानकारी के अनुसार जैन समाज द्वारा संचालित जवाहर विद्यापीठ शिक्षण संस्थान की ओर से विवादित जमीन पर बाउंड्री के लिए लोहे की जालियां लगाई जा रही थीं। इसी दौरान सोनी समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए काम रुकवा दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग मौके पर एकत्र हो गए और बहस शुरू हो गई। तनाव के बीच वहां लगाई जा रही लोहे की जालियां उखाड़ दी गईं। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार वगता राम पुरोहित और भींडर से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने तत्काल निर्माण कार्य रुकवाया और दोनों पक्षों से बातचीत शुरू की। तहसीलदार वगता राम पुरोहित ने बताया कि विवाद की मुख्य वजह जमीन पर स्वामित्व का दावा है। सोनी समाज का कहना है कि उक्त स्थान पर उनका प्राचीन भैरूजी बावजी स्थल स्थित है, जबकि शिक्षण संस्थान इस भूमि को अपनी संपत्ति बता रहा है। काफी देर चली समझाइश के बाद दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि फिलहाल विवादित स्थल से जालियां हटा ली जाएं और कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाए। प्रशासन ने अब मामले के समाधान के लिए राजस्व विभाग की विशेष टीम गठित की है, जो सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर जमीन की पैमाइश और सीमांकन करेगी। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

आचार्य पुलक सागर अवतरण दिवस पर सेवा और श्रद्धा का संगम, 50 यूनिट रक्तदान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मई। राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर के 56वें अवतरण दिवस पर उदयपुर में श्रद्धा, सेवा और धार्मिक उल्लास से ओतप्रोत त्रिदिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला का शुभारंभ हुआ। पुलक मंच परिवार उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों और धर्मप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलक मंच परिवार उदयपुर के अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सरल ब्लड बैंक में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर से हुई। शिविर में युवाओं, महिलाओं और समाजजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए करीब 50 यूनिट रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री के अवतरण दिवस को सेवा, संस्कार और समाजहित से जोड़ने का प्रयास किया गया है। महामंत्री प्रकाश सिंघवी ने बताया कि शिविर का संयोजन पन्नालाल बोहरा एवं दिपेश कड़वावत ने किया। इस दौरान सभी रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में त्रिशला डागरिया, अभिलाषा जैन, अंजना गंगवाल, अर्चना चित्तौड़ा, राजेन्द्र चित्तौड़ा, विनीता हिंसावत, उज्ज्वल दोवड़िया, लोकेश भंवरा, रचना कोठारी और रागिनी भाणावत सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। आयोजन श्रृंखला के तहत 10 मई को सर्वऋतु विलास जिनालय में भव्य भक्तिसंध्या का आयोजन होगा। संयोजक राजेन्द्र चित्तौड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में धार्मिक तम्बोला, भक्ति गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। वहीं 11 मई को महावीर जिनालय, सर्वऋतु विलास में प्रातः 7 बजे से संगीतमय "पुलक सिंधु विधान" आयोजित किया जाएगा, जिसमें अभिषेक, शांतिधारा और गुरु पूजन होंगे।

मातृ दिवस पर एमबीजीएच की रिपोर्ट में खुलासा, 62 प्रतिशत माताएं कम वजन और अधिकांश एनीमिया से पीड़ित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मई। मातृ दिवस के अवसर पर महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय से संबद्ध बाल चिकित्सालय के कुपोषण वार्ड के नोडल अधिकारी एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के समन्वयक डॉ. आर. एल. सुमन ने वर्ष 2021 से 2025 तक के आंकड़े जारी करते हुए माताओं के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई।

जारी रिपोर्ट के अनुसार कुल 3269 माताओं की जांच में 2027 माताएं कम वजन की पाई गईं, जबकि 1130 माताओं का वजन सामान्य श्रेणी में रहा। वहीं हीमोग्लोबिन जांच में केवल 403 माताओं का स्तर सामान्य मिला। रिपोर्ट में 2253 माताएं हल्के एनीमिया, 518 मध्यम एनीमिया तथा 78 गंभीर एनीमिया से पीड़ित पाई गईं। डॉ. आर. एल. सुमन ने बताया कि बाल चिकित्सालय के कुपोषण वार्ड में भर्ती बच्चों की माताओं की भी जांच की जाती है, क्योंकि बच्चों में कुपोषण का प्रमुख कारण माताओं में खून की कमी और कुपोषण पाया गया है। अस्पताल में माताओं की लंबाई, वजन, बॉडी मास इंडेक्स और हीमोग्लोबिन की जांच कर जरूरत अनुसार आयरन दवाएं दी जाती हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में यह पहला ऐसा संस्थान है, जहां बच्चों के साथ माताओं के स्वास्थ्य और पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन द्वारा माताओं को दो समय भोजन उपलब्ध कराया जाता है तथा बच्चों और माताओं के पोषण को लेकर व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। डॉ. आर. एल. सुमन ने कहा कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ समाज और सशक्त पीढ़ी की आधारशिला होती है। उन्होंने परिवारों से माताओं के पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अपील की।

आरएसएसबी प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षाः शनिवार को 71.26 प्रतिशत रही उपस्थिति

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन शनिवार को किया गया। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रथम दिन प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित की गई। यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की गई। इसके लिए जिले में 65 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 45 राजकीय एवं 20 निजी केंद्र शामिल हैं। शनिवार को कुल 19 हजार 992 अभ्यथियों में से 14 हजार 246 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए वहीं 5 हजार 746 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिले में कुल उपस्थिति 71.26 प्रतिशत रही। श्री राठौड़ ने बताया कि रविवार 10 मई को दो पारियों में प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित होगी। प्रथम पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। इसके लिए जिले में 124 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 43 राजकीय एवं 81 निजी केंद्र शामिल हैं। रविवार को कुल 39 हजार 330 अभ्यर्थी भाग लेंगे।प्रशासन ने अभ्यर्थियों से परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अपील की है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।